

खिलजी वंश | Khilji dynasty

तुगलक वंश (1320–1414)

Tughlaq dynasty (1320–1414)

➤ संस्थापक – गियासुद्दीन तुगलक (1320–1325)

Founder – Ghiyasuddin Tughlaq

सबसे लम्बा शासन काल

➤ वास्तविक नाम – गाजी मलिक था

Real name was Ghazi Malik

➤ मंगोलों को 29 बार पराजित करने के कारण वह

मलिक-उल-गाजी के नाम से प्रसिद्ध

Because of defeating Mongols 29 times, he became famous as

Malik-ul- Ghazi.

- संस्थापक - गयासुद्दीन तुगलक → 1320-1325
 - तुगलक वंश → 1320-1414
 - सबसे लम्बा शासन काल
- वास्तविक नाम - गाजी मलिक
- मंगोलों को 29 बार पराजित करने के कारण वह "मलिक-उल-गाजी" के नाम से प्रसिद्ध हुआ
- वह तुगलक गाजी गयासुद्दीन के नाम से 3 Sep 1320 में बैठा।
 - 11 Sep X
 - 8 Sep X

➤ आर्थिक सुधार Economic Reforms -- ✓

- उसने लगान के रूप में उपज का $1/10$ या $1/12$ हिस्सा ही लिया। **He took only $1/10$ or $1/12$ of the produce as rent.** (Tax)
(crops)
- गयासुद्दीन ने अलाउद्दीन के समय लिए गए अमीरों की भूमि को पुनः लौटा दिया।

Ghiyasuddin returned the lands of the Amirs that had been taken away during the time of Alauddin.

➤ आर्थिक सुधार Economic Reforms —

- उसने लगान के रूप में उपज का $\frac{10.41}{2}$ ही लिया।
- गयासुद्दीन ने अलाउद्दीन के समय लिए गए अमीरों की भूमि को पुनः लौटा दिया।

➤ गयासुद्दीन नहरों का निर्माण कराने वाला प्रथम सुल्तान था।

Ghiyasuddin was the first Sultan to build canals.

➤ गयासुद्दीन तुगलक की डाक व्यवस्था श्रेष्ठ थी

The postal system of Ghiyasuddin Tughlaq was the best.

➤ निर्माण— Construction—

➤ गयासुद्दीन तुगलक ने दिल्ली में एक तुगलकाबाद नाम का एक नया नगर स्थापित किया।

Ghiyasuddin Tughlaq established a new city named Tughlaqabad in Delhi.

➤ का निर्माण कराने वाला प्रथम सुल्तान था।

➤ गयासुद्दीन तुगलक की श्रेष्ठ थी

➤ निर्माण— Construction—

➤ गयासुद्दीन तुगलक ने दिल्ली में एक नाम का एक नया नगर स्थापित किया।

➤ मृत्यु Death — 1325

- तुगलकाबाद से 8 किलो मीटर की दूरी पर स्थित अफगान पुर में एक महल जिसे उसके लड़के जूना खां के निर्देश पर अहमद अयाज ने लकड़ियों से निर्मित करवाया था, में सुल्तान दबकर 1325 में, उसकी मृत्यु हो गयी।

The Sultan died in 1325 after being buried in a wooden palace built by Ahmad Ayaz on the instructions of his son Juna Khan at Afganpur, 8 kilometers from Tughlaqabad.

➤ मृत्यु Death –

- तुगलकाबाद से की दूरी पर स्थित में एक महल जिसे उसके लड़के जूना खां के निर्देश पर ने लकड़ियों से निर्मित करवाया था, में सुल्तान दबकर में, उसकी मृत्यु हो गयी।

मुहम्मद बिन तुगलक (1325–1351)

Muhammad bin Tughlaq (1325-1351)

- जूना खां मुहम्मद बिन तुगलक के नाम से दिल्ली की गद्दी पर बैठा था **Juna Khan sat on the throne of Delhi under the name of Muhammad bin Tughlaq.**
- मूल नाम — उलूंग खां **Original name - Oolong Khan**
- राजा मुंदरी के एक अभिलेख में मुहम्मद बिन तुगलक को दुनिया का खान कहा है।
In a record of Raja Mundri, Muhammad bin Tughlaq has been called Khan of the world.

मुहम्मद बिन तुगलक

- मुहम्मद बिन तुगलक के नाम से दिल्ली की गद्दी पर बैठा था
- मूल नाम –
- के एक अभिलेख में मुहम्मद बिन तुगलक को कहा है।

- इसे स्वपनशील, पागल व रक्त पिपासु कहा गया है।
It has been called dreamy, mad and bloodthirsty.

- **प्रशासन Administration :-**

- उसने न्याय विभाग पर उलेमा वर्ग का एकाधिपत्य समाप्त किया।
He ended the monopoly of the Ulema class on the Department of Justice.
- सर्वप्रथम मुहम्मद तुगलक ने ही बिना भेदभाव के योग्यता के आधार पर अधिकारियों को नियुक्त करने की नीति अपनायी
First of all, Muhammad Tughlaq adopted the policy of appointing officers on the basis of merit without discrimination.

➤ इसे कहा गया है।

➤ प्रशासन Administration :-

➤ उसने न्याय विभाग पर का एकाधिपत्य समाप्त किया।

➤ सर्वप्रथम मुहम्मद तुगलक ने ही बिना भेदभाव के पर अधिकारियों को नियुक्त करने की नीति अपनायी

- दोआब क्षेत्र में कर वृद्धि **Tax hike in Doab region :-**
- मुहम्मद तुगलक ने कृषि के विकास के लिए **अमीर-ए-कोही** नामक एक नवीन विभाग की स्थापना की
Muhammad Tughluq established a new department called Amir-i-Kohi for the development of agriculture.

- **राजधानी परिवर्तन Capital change :-**

- मुहम्मद बिन तुगलक ने अपनी **दूसरी योजना** के अन्तर्गत **राजधानी** को **दिल्ली से देवगिरि** स्थानान्तरित किया।
Muhammad bin Tughlaq shifted the capital from Delhi to Devagiri under his second plan.

- क्षेत्र में कर वृद्धि
- मुहम्मद तुगलक ने कृषि के विकास के लिए एक नवीन विभाग की स्थापना की

➤ राजधानी परिवर्तन Capital change :-

- मुहम्मद बिन तुगलक ने अपनी के अन्तर्गत राजधानी को स्थानान्तरित किया।

- देवगिरि को कुव्वतुल इस्लाम भी कहा गया है।
Devagiri is also called Quwwatul Islam.
- सुल्तान कुतुबुद्दीन मुबारक खिलजी ने देवगिरि का नाम कुतुबाबाद रखा था। **Sultan Qutbuddin Mubarak Khilji named Devgiri as Qutbabad.**
- मुहम्मद बिन तुगलक ने इसका नाम बदलकर दौलताबाद रख दिया।
Muhammad bin Tughlaq changed its name to Daulatabad.
- योजना भी पूर्णतः असफल रही और 1335 ई. में दौलताबाद से लोगों को दिल्ली वापस आने की अनुमति दे दी।
The plan also failed completely and in 1335 AD people from Daulatabad were allowed to return to Delhi.

- देवगिरि को भी कहा गया है।
- सुल्तान कुतुबुद्दीन मुबारक खिलजी ने रखा था।
- मुहम्मद बिन तुगलक ने इसका नाम रख दिया।
- योजना भी पूर्णतः असफल रही और से लोगों को दिल्ली वापस आने की अनुमति दे दी।

➤ सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन **Prevalence of token currency :-**

➤ तीसरी योजना के अन्तर्गत मुहम्मद तुगलक ने सांकेतिक व प्रतीकात्मक सिक्कों को प्रचलन किया।

Under the third plan, Muhammad Tughluq introduced symbolic and symbolic coins.

➤ सिक्के संबंधी विधि प्रयोगों के कारण ही एडवर्ड टामस ने उसे धनवानों का राजकुमार कहा।

Edward Thomas called him the prince of the rich because of the method experiments related to coins.

- सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन **Prevalence of token currency :-**
- तीसरी योजना के अन्तर्गत मुहम्मद तुगलक ने को प्रचलन किया।
- सिक्के संबंधी विधि प्रयोगों के कारण ही कहा।

- उसने सिक्के चलाने की प्रेरणा – चीन के शासक कुबलई खाँ व ईरान के गजन खाँ से ली थी

He took the inspiration of running coins from Kublai Khan, the ruler of China and Ghazan Khan of Iran.

- उसने सांकेतिक मुद्रा के अन्तर्गत पीतल एवं तांबा धातुओं के सिक्के चलाये जिनका मूल्य चांदी के रूपये टका के बराबर था।

He introduced coins of brass and copper metals under symbolic currency, whose value was equal to taka of silver.

➤ उसने सिक्के चलाने की प्रेरणा – से ली थी

➤ उसने के अन्तर्गत
धातुओं के सिक्के चलाये जिनका मूल्य चांदी के रूपये टका के बराबर
था।

➤ खुरासन अभियान — Khorasan Campaign

- खुरासन को जीतने के लिए मुहम्मद तुगलक ने 370000 सैनिकों की विशाल सेना को एक वर्ष का अग्रिम वेतन दे दिया।

To conquer Khurasan, Muhammad Tughluq gave one year's advance salary to a huge army of 370000 soldiers.

कराचिल अभियान Karachil Campaign :—

- कराचिल अभियान के अन्तर्गत सुल्तान ने खुसरों मलिक के नेतृत्व में एक विशाल सेना की पहाड़ी राज्यों को जीतने के लिए भेजा।

Under the Karachil campaign, the Sultan sent a huge army under the leadership of Khusrau Malik to conquer the hill states.

➤ **खुरासन अभियान – Khorasan Campaign**

- खुरासन को जीतने के लिए मुहम्मद तुगलक ने की विशाल सेना को दे दिया।

कराचिल अभियान Karachil Campaign :-

- कराचिल अभियान के अन्तर्गत सुल्तान ने में एक विशाल सेना की को जीतने के लिए भेजा।

- उसकी पूरी सेना जंगल में भटक गयी। केवल तीन अधिकारी ही बच के आ सके।

His entire army got lost in the forest. Only three officers could escape.

- नोट:— अपनी महत्वकांक्षी असफल योजनाओं के कारण मुहम्मद तुगलक को असफलताओं का बादशाह कहा जाता है।

- महत्वपूर्ण तथ्य **Important Facts**

जैन विद्वान एवं संत जिनसूरी को दरबार में बुलाकर सम्मान दिया। **Honored Jain scholar and saint Jinsuri by calling him in the court.**

➤ उसकी पूरी सेना जंगल में भटक गयी। केवल ही बच के आ सके।

➤ नोट:— अपनी महत्वकांक्षी असफल योजनाओं के कारण
..... को असफलताओं का बादशाह कहा जाता है।

➤ महत्वपूर्ण तथ्य **Important Facts**
..... को दरबार में बुलाकर सम्मान दिया।

- वह दिल्ली सल्तनत का पहला सुल्तान था। जिसने हिन्दू त्यौहारों जैसे होली-दीपाली में भाग लिया। **He was the first Sultan of the Delhi Sultanate. Who participated in Hindu festivals like Holi-Deepali.**
- उसने दिल्ली के प्रसिद्ध सूफी संत शेख शिहाबुद्दीन को दीवन-ए-मुस्तख नियुक्त किया। **He appointed the famous Sufi saint Sheikh Shihabuddin of Delhi as Diwan-i-Mustakh.**
- शेख मुईजुद्दीन को गुजरात का गवर्नर नियुक्त किया। **Sheikh Muizuddin was appointed as the Governor of Gujarat.**

- वह था। जिसने हिन्दू त्यौहारों जैसे में भाग लिया।
- उसने दिल्ली के प्रसिद्ध सूफी संत को नियुक्त किया।
- शेख..... को का गवर्नर नियुक्त किया।

- **मृत्यु:**— थट्टा के निकट गोंडाल पहुँचकर वह गम्भीर रूप से बीमार हो गया। और थट्टा के निकट गोअल में 20 मार्च 1351 में इसकी मृत्यु हो गयी।

Death:- He became seriously ill after reaching Gondal near Thatta. And died on 20 March 1351 at Goal near Thatta.

- **इसकी मृत्यु पर बदायूनी ने लिखा** — अन्ततः लोगों को उससे मुक्ति मिली और उसे लोगो से।

Badauni wrote on his death - finally people got freedom from him and he from the people.

- मृत्यु:-के निकट पहुँचकर वह गम्भीर रूप से बीमार हो गया। और थट्टा के निकट में 20 मार्च 1351 में इसकी मृत्यु हो गयी।

Death:- He became seriously ill after reaching Gondal near Thatta. And died on 20 March 1351 at Goal near Thatta.

- इसकी मृत्यु पर ने लिखा – अन्ततः लोगों को उससे मुक्ति मिली और उसे लोगो से।

इब्नबतूता Ibn Battuta :-

- इब्नबतूता एक विद्वान अफ्रीकी यात्री था जिसका जन्म 24 फरवरी 1304 ई. को उत्तर अफ्रीका के मोरक्को प्रदेश के प्रसिद्ध नगर तांजियर में हुआ।

Ibn Battuta was a scholar African traveler who was born on 24 February 1304 AD in the famous city of Tangier in the Moroccan region of North Africa

- इब्न बतूता 1333 ई. में सुल्तान मुहम्मद बिन तुगलक के राज्य काल में भारत आया। **Ibn Battuta came to India in 1333 AD during the reign of Sultan Muhammad bin Tughlaq.**

➤ मुहम्मद बिन तुगलक ने इसे दिल्ली का प्रधान काजी नियुक्त किया।

Muhammad bin Tughluq appointed him as the Chief Qazi of Delhi.

➤ 1342 ई. में सुल्तान के राजदूत के रूप में चीन जाने तक वह इस पद पर बना रहा।

In 1342 AD, he remained in this position till he went to China as the Sultan's ambassador.

फिरोजशाह तुगलक (1351–1388)
Firoz Shah Tughlaq (1351-1388)

- **फिरोज शाह तुगलक** – मुहम्मद बिन तुगलक का चचेरा भाई एवं सिपहसलार रजब का पुत्र था।

Firoz Shah Tughlaq - Muhammad bin Tughlaq's cousin and was the son of Sipahsalar Rajab.

- **माँ** – बीबी नैला (राजपूत सरदार रणमल की पुत्री)

Mother - Bibi Naila (Daughter of Rajput Sardar Ranmal)

- मुहम्मद बिन तुगलक की मृत्यु के बाद 20 मार्च 1351 को फिरोज तुगलक का राज्यभिषेक थट्टा के निकट हुआ।

After the death of Muhammad bin Tughlaq, on 20 March 1351, the coronation of Firoz Tughlaq took place near Thatta.

- पुनः फिरोज शाह तुगलक का राज्यभिषेक दिल्ली में अगस्त 1351 में हुआ।

Firoz Shah Tughlaq was again coronated in Delhi in August 1351.

- 1360 ई. में सुल्तान फिरोज ने जाजनगर (उड़ीसा) पर आक्रमण करके वहाँ के शासक भानुदेव तृतीय को परास्त कर पुरी के जगन्नाथ मन्दिर को ध्वस्त किया।

In 1360 AD, Sultan Firoz attacked Jajnagar (Orissa) and defeated the ruler Bhanudev III and destroyed the Jagannath temple of Puri.

- राजस्व व्यवस्था Revenue system :-

राजस्व व्यवस्था की अन्तर्गत फिरोज ने अपने शासन काल में 24 कष्टदायक करों को समाप्त कर दिया।

Under the revenue system, Firoz abolished 24 painful taxes during his reign

- **फिरोज शाह ने केवल चार कर Firoz Shah imposed only four taxes**
 - खराज (लगान) **Kharaj (Lagaan)**
 - खुम्स (युद्ध में लूट का माल) **khums (spoils of war)**
 - जजिया **jizya**
 - जकात **zakat**

- **नया सिचाई कर — शर्ब New Irrigation Tax - Shrub**

नोट:— ब्राह्मणों पर जजिया कर लागू किया
अनाथ मुस्लिम महिलाओं विधावाओं एवं लडकियों की सहायता के लिए नया विभाग **दिवान—ए—खेरात** की स्थापना
Establishment of a new department Diwan-e-Kherat to help orphan Muslim women, widows and girls

- दिल्ली सल्तनत का प्रथम सुल्तान जिसने अपनी राज्य का ब्यौरा तैयार कराया
- **The first Sultan of Delhi Sultanate who prepared the details of his kingdom**
- सबसे अधिक दासों की संख्या फिरोज शाह तुगलक के समय में थी, जिनकी देखभाल के लिए दिवान-ए-बंदगान की स्थापना की
- **The maximum number of slaves was in the time of Firoz Shah Tughlaq, for whose care Diwan-i-Bandgan was established.**
- सैन्य पदों को वंशानुगत बनाया **Made military posts hereditary**

- निर्माण कार्य – **Construction work**
- 300 नए नगरों की स्थापना **Establishment of 300 new cities**
 - प्रमुख – हिसार **Head - Hisar**
 - फतेहाबाद **Fatehabad**
 - जौनपुर **Jaunpur**
 - फिरोजपुर **Firozpur**
- सबसे प्रिय नगर यमुना नदी के किनारे फिरोजबाद था
The most favorite city was Firozabad on the banks of Yamuna river.

- **जौनपुर** की स्थापना अपने चचेरे भाई **मुहम्मद बिन तुगलक** की याद में

Establishment of Jaunpur in memory of his cousin

Muhammad bin Tughluq

- इसी के काल में **टोपरा** एवं **मेरठ** अशोक स्तम्भ लेख दिल्ली में स्थापित किये गये

Topra and Meerut Ashoka Pillar Edicts were established in

Delhi during this period.

- गरीबों के लिये दारूल शफा नामक अस्पताल की स्थापना की
Established a hospital named Darul Shafa for the poor

संरक्षण :- Protection

- जियाउद्दीन बरनी – तारीख-ए-फिरोजशाही, फतवा-ए-जहांदारी
Ziauddin Barani - Tarikh-e-Firozshahi, Fatawa-e-Jahandari

→ 17 वर्ष मुहम्मद बिन तुगलक के दरबार में बिताए

17 years spent in the court of Muhammad bin Tughluq

→ जियाउद्दीन बरनी आधुनिक बुलन्दशहर के रहने वाले थे

Ziauddin Barani was a resident of modern

Bulandshahr.

➤ बलायते फिरोजशाही – एजुद्दीन द्वारा

Balayate Firozshahi - by Ezuddin

↳ आयुर्वेद से सम्बन्धित **related to ayurveda**

➤ आविष्कार – फिरोजशाह ने **जलघड़ी** का आविष्कार किया

Invention - Firoz Shah invented water clock

➤ सिक्कों का प्रचलन – तांबा और चांदी के मिश्रण से निर्मित सिक्के

Circulation of coins - coins made of a mixture of copper and silver

↳ अद्द एवं बिख **Add and bikh**

- नया सिक्का – शंशगानी चलाया
New coin - Shansagani launched
- स्वयं को खलीफा का नाइब कहा
Called himself the Naib of Khalifa
- सिक्कों पर खलीफा का नाम अंकित कराया
The name of the Caliph was inscribed on the coins.
- मृत्यु – 20 सितम्बर 1388 **Death - 20 September 1388**
- अन्तिम शासक – नासिरुद्दीन महमूद
Last ruler - Nasiruddin Mahmud

➤ तैमूरलंग ने नासिरुद्दीन महमूद तुगलक के समय 1398 में दिल्ली पर आक्रमण किया

Timurlang invaded Delhi in 1398 during the time of Nasiruddin Mahmud Tughlaq.

सैय्यद वंश (1414–1451)

- **संस्थापक** – खिज़्र खाँ (1414–1421)
Founder - Khizr Khan (1414-1421)
- **उपाधि** – रैयत-ए-आला **Title - Rayat-e-Ala**
- **सेनापति** – तैमूरलंग का **Commander - of Timurlang**
नोट:– तैमूरलंगा ने खिज़्र खाँ मुल्तान, लाहौर, और दिपालपुर का शासक नियुक्त किया
- **तारीख-ए-मुबारकशाही** के अनुसार खिज़्र खाँ ने स्वयं को पैगम्बर का वंशज बताया
According to Tarikh-e-Mubarakshahi, Khizr Khan declared himself a descendant of the Prophet.
- **सिक्के** – तैमूर और उसके पुत्र शारूख मिर्जा के नाम से जारी किये
Coins - issued in the name of Timur and his son Sharukh Mirza

मुबारकशाह (1421–1434)

- उपाधि – शाह **Title - Shah**
- संरक्षण – याहिया बिन अहमद सरहिन्दी
Patronage - Yahiya bin Ahmed Sirhindi
↳ पुस्तक तारीख-ए-मुबारक शाही
Book Tarikh-e-Mubarak Shahi
- नगर की स्थापना – मुबारकाबाद
Establishment of the city - Mubarakabad
- उत्तराधिकारी – मुहम्मदशाह (1434–1445)
Successor - Muhammadshah (1434-1445)
- अन्तिम शासक – अलाउद्दीन आलम शाह (1445–1451)
Last ruler - Alauddin Alam Shah (1445-1451)

लोदी वंश (1451–1526)

- **संस्थापक** — बहलोल लोदी (1451–1489)

Founder - Bahlol Lodi (1451-1489)



दिल्ली में प्रथम अफगान राज्य का संस्थापक

Founder of the first Afghan state in Delhi

- **उपाधि** — गाजी **Title - Ghazi**
- **पुत्र** — सिकन्दर लोदी **Son - Sikandar Lodi**
- **सिक्के** — बहलोल सिक्के **Coins - Bahalol Coins**
- अपने सरदारों को मकसद—ए—अली कह कर पुकारा
Called his Sardars as Maqsad-e-Ali

सिकन्दर लोदी (1489–1517)

- **मूल नाम** – निजाम खाँ **Original name - Nizam Khan**
- **उपाधि** – सुल्तान सिकन्दर शाह
Title - Sultan Sikandar Shah
- **राजधानी** – आगरा (प्रथम सुल्तान जिसने आगरा को अपनी राजधानी बनाया)
Capital – Agra (First Sultan who made Agra his capital)
- **भूमि माप के प्रमाणित पैमाना** – गज-ए-सिकन्दरी (30 इंच)
Certified scale of land measurement - Gaj-e-Sikandari (30 inches)
- मुस्लिम शिक्षा में सुधार के लिये तुलम्बा के विद्वान और शेख अजीजुल्ला को बुलाया
Tulamba's scholar and Sheikh Azizullah were called to reform Muslim education.

- मुस्लिम स्त्रियों को पीरों और सन्तों के मजारों पर जाने से प्रतिबन्ध लगाया

Muslim women were banned from visiting the graves of saints and saints.

- आगरा की स्थापना — 1504 **Establishment of Agra - 1504**

- गुलरूखी नाम फारसी में कविताएं लिखी
Gulrukhi wrote poems in Persian

- लज्जत—ए—सिकन्दरशाही नामक ग्रन्थ की रचना की

- **Composed a book named Lajjat-e-Sikandersshahi**

- संस्कृत के आयुर्वेद ग्रन्थ का फारसी में फरहंगे नाम से अनुवाद कराया

Translated the Ayurveda text of Sanskrit into Persian named Farhange

- ताजिया पर प्रतिबंध लगाया **Tazia banned**

- मृत्यु — 21 नवम्बर 1517 **Death - 21 November 1517**

इब्राहिम लोदी – (1517–1526)

- 21 अप्रैल 1526 में पानीपत के प्रथम युद्ध में इब्राहिम लोदी बाबर से हार गया

Ibrahim Lodi was defeated by Babur in the first battle of Panipat on 21 April 1526.

अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण :-

रणथम्भौर (1301) Ranthambore (1301)

- शासक हम्मीरदेव ने मंगोल नेता मुहम्मद शाह एवं केहब को शरण दी इसके विरोध में अलाउद्दीन खिलजी ने हम्मीरदेव पर आक्रमण कर दिया

Ruler Hammirdev gave shelter to Mongol leader Muhammad

Shah and Kehb, in protest against this Alauddin Khilji attacked

Hammirdev

- इस युद्ध में नुसरत खां मारा गया

अलाउद्दीन खिलजी का सेनापति

Nusrat Khan was killed in this battle ✓

रणथम्भौर (1301)-

- शासक हमीर देव..... ने मंगोल नेता मुहम्मद शाह... एवं केव..... को शरण दी इसके विरोध में अलाउद्दीन.. ने हमीरदेव पर आक्रमण कर दिया
- इस युद्ध में नुसरत रवां..... मारा गया
↳ अलाउद्दीन विलजी का सेना

Imp

चित्तौड़ आक्रमण (1303) Chittor invasion (1303)

- मेवाड़ शासक — राणा रत्नसिंह ✓
Mewar ruler - Rana Ratan Singh
- राजधानी — चित्तौड़ Capital - Chittor
- अलाउद्दीन खिलजी ने आक्रमण किया राणा रत्नसिंह वीरभूमि को प्राप्त हुए
- Alauddin Khilji attacked, Rana Ratan Singh got Veerbhoomi
- रानी पद्मावती ने जौहर प्रथा से प्राण त्याग दिये → आग में कूद कर प्राण त्यागना ।
- Rani Padmavati gave up her life by Jauhar Pratha.

चित्तौड़ आक्रमण (1303)

- मेवाड़ शासक — राजा रत्नसिंह ✓
- राजधानी — चित्तौड़ ✓
- अलाउद्दीन ने आक्रमण किया राजा रत्नसिंह ✓ वीरभूमि को प्राप्त हुए
- रानी पद्मावती ने जौहर प्रथा से प्राण त्याग दिये ^{मृत्यु}

➤ अलाउद्दीन खिलजी ने चित्तौड़ का शासक अपने पुत्र खिज़्र खां को नियुक्त किया और चित्तौड़ का नाम बदलकर खिज़्रवादा रखा

Imp

नोट:— 1303 में कालकतीयसेन ने अलाउद्दीन की सेना को

में पराजित किया

बारांखल में

↳ दक्षिण भारत | south

India

तेलंगाना (1309–1310) Telangana (1309–1310)

- शासक प्रताप रूद्रदेव एवं मलिक काफूर के बीच युद्ध हुआ
There was a war between ruler Pratap Rudradev and Malik

Kafur.

- प्रताप रूद्रदेव ने स्वयं की सोने की मूर्ति बनवाकर एवं गले में सोने की चेन डालकर आत्मसमर्पण कर दिया

- Pratap Ruddev surrendered by making a gold statue of himself and putting a gold chain around his neck.

- नोट:— इस दौरान प्रताप रूद्रदेव ने मलिक काफूर को प्रसिद्ध कोहिनूर हीरा भेंट किया

तेलंगाना (1309-1310)

- शासक प्रतापरुद्रदेव एवं मलिक काफूर के बीच युद्ध हुआ
↳ अल्माउद्दीन खिलजी का सेनापति
- प्रतापरुद्रदेव ने स्वयं की सोने की मूर्ति बनवाकर एवं गले में सोने की चेन डालकर आत्मसमर्पण कर दिया

नोट:- इस दौरान प्रतापरुद्रदेव ने मलिक काफूर को प्रसिद्ध कौत्नूर हीरा भेंट किया

कुतुबुद्दीन मुबारक शाह खिलजी (1316–1320)

Qutbuddin Mubarak Shah Khilji (1316–1320)

- **Imp** स्वयं को **खलीफा घोषित** किया Declared himself Caliph
- **मंत्री** – **खुसरो शाह** को बनाया (पहले ये गुजरात का हिन्दु था)
Minister - made Khusro Shah (earlier it was a Hindu of Gujarat)
- दरबार में **नग्न अवस्था** में आता था **एवं स्त्री वस्त्र पहनता** था
Used to come **naked** in the court and used to wear women's clothes
- **1320** में मुबारक शाह की **हत्या** **खुसरो शाह** ने कर दी
Mubarak Shah was killed by Khusrau Shah in 1320.

कुतुबुद्दीन मुबारक शाह खिलजी (1316-1320)

- स्वयं को खलीफा..... घोषित किया
↳ इस्लामिक धर्म गुरु
- मंत्री - सुरौरा शाह (पहले → गुजरात का हिन्दू था)
- दरबार में नग्न..... अवस्था में आता था एवं स्त्री..... वस्त्र पहनता था
↳ without clothes
- 1320 में की हत्या सुरौरा शाह.. ने कर दी